आदि शंकराचार्य द्वारा रचित भाष्यों की शैक्षिक प्रासंगिकता : एक विवेचना

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की M.Ed उपाधि की आंशिक आपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंधन

वर्ष 2019 - 2021

विद्यया ऽमृतमश्नुते

RIE BHOPAL

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश

शोध पर्यवेक्षक

प्रोफेसर बी. रमेश बाबू

प्रोफेसर शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल मध्यप्रदेश

शोध विद्यार्थी

कुमारी अंशुजा रमण

M.Ed चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक 200660203

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश

आदि शंकराचार्य द्वारा रचित भाष्यों की शैक्षिक प्रासंगिकता : एक विवेचना

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल , की M.Ed उपाधि की आंशिक आपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंधन

वर्ष 2019 - 2021

26 NOV 2021

विद्यया ऽमृतमश्नुते

RIE BHOPAL

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश

D - 499

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय Library

शोध पर्यवेक्षक

प्रोफेसर बी. रमेश बाबू

प्रोफेसर शिक्षा विभाग,

शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश

शोध विद्यार्थी

कुमारी अंशुजा रमण

M.Ed चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक 200660203

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि कुमारी अंशुजा रमन जोकि M.Ed चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा है , जिनका अनुक्रमांक 200 66 0203 है |

कुमारी अंशुजा रमन मेरे मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में अपना लघु शोध कार्य पूर्ण किया है |

यह लघु शोध कार्य पूर्ण रूप से मूल एवं सत्य है एवं M.Ed की उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल मध्य प्रदेश में प्रस्तुत किया गया है |

दिनांक - 23/07/2021

स्थान - Bhopal

प्रोफेसर बी. रमेश बाबू

प्रोफेसर शिक्षा विभाग,

क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश

घोषणा पत्र

मैं घोषणा करती हूं कि, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल मध्यप्रदेश के शिक्षा में स्नाकोत्तर M. Ed. उपाधि की आवश्यकता की आपूर्ति के लिए किया गया शोध प्रबंधन जिसका शीर्षक हैं :-

" आदि शंकराचार्य द्वारा रचित भाष्यों की शैक्षिक प्रासंगिकता : एक विवेचना "

यह अध्ययन प्रोफेसर बी0 रमेश बाबू, प्रोफेसर शिक्षा विभाग, क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश के निर्देशन में किया गया हैं।

मैं घोषणा करती हूँ कि, शोध प्रबंध मेरे द्वारा उपाधि के लिए बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल या अन्य किसी विश्वविद्यालय में पूर्व में प्रस्तुत नही किया गया हैं।

दिनांक - 23/07/2021

स्थान - Bhopal

सत्यापनकर्ता

कुमारी अंशुजा रमण

M.Ed चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक 200660203

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश

आभार

माननीय प्रोफेसर भी.रमेश बाबू सर जो कि मेरे गुरु, पथप्रदर्शक, आलोचक,समाधानदाता और प्रस्तुत शोध कार्य-**आदि शंकराचार्य द्वारा रचित भाष्यों की शैक्षिक प्रासंगिकता: एक विवेचना** शीर्षक पर शोध कार्य करने हेतु मेरे शोध निर्देशक रहे, जिनके मार्गदर्शन में यह शोध कार्य मैं सफलतापूर्वक संपन्न कर सकी अतः आपको हृदय की गहराई से कृतज्ञता अर्पित करती **हूं। प्रोफेसर वी.के.काकरिया, प्राचार्य क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का भी हृदय से धन्यवाद करती हूं। पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर नित्यानंद प्रधानमाननीय प्राचार्य श्री नित्यानंद प्रधान** आपके द्वारा अनुसंधान की कक्षाओं ने इस शोध कार्य को करने की राह आसान कर दी , आपकी मैं सदा ऋणी रहूंगी आपको हृदय से आभार प्रकट करती हूं। **शिक्षा संस्थान, भोपाल माननीय राजीव शर्मा** प्रशासनिक अधिकारी और विद्रोही संन्यासी के लेखक आपके साथ की गई समय समय पर चर्चाओं ने मेरा मनोबल बल निरंतर बढ़ाया और आध्यात्मिक ज्ञान की रूचि का उदय हुआ आपको हृदय से वंदन और कृतज्ञता प्रकट करती हूं। ।माननीय प्रोफेसर निदेशक **NITTTER** कलकत्ता **राष्ट्रप्रियानंन्द सरस्वती (प्रोफेसर देवी प्रसाद मिश्रा)**जी,जो कि मेरे आध्यात्मिक गुरु हैं आपके मार्गदर्शन और चर्चाओं के आभाव में यह शोध कार्य कभी मैं सक्षम नहीं हो पाती आपके चरणों में हृदय से कृतज्ञता अर्पित करती हूं । श्रद्धेय श्री परशुराम श्रीवात्र पूर्व शिक्षक **जी.एम.रेल्वे** द्वारा सम्मानित सेवानिवृत्त अनुभवी शिक्षक ,आपका हर चरणों में मुझे मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिलता रहा जिससे मैं अपनी क्षमताओं से कुछ अधिक कर पाई आपको हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

मेरी ममतामई स्वर्गीय माता श्रीमती गोमती रमण, आपके प्रति क्षण स्मरण से निरंतर उर्जा का संचार होता रहता है आपकी और पिताजी भास्कर रमण का ऋण मैं कभी नहीं अदा कर सकूंगी।

मेरे बड़े भाई श्री अतुल्य तन्मय रमण निदेशक (**थिंकबोआटेक्नालाजी प्राइवेट लिमिटेड**)। जिन्होंने हर कदम पर मुझे उत्कृष्ट करने के लिए प्रेरित किया और मनोबल बढ़ाया है

आपकी हृदय से आभारी हूं। माननीय नागेश व्यास,अंजली चौरसिया, पूजा शर्मा, शेलेन्द्र सहाय,देश दीपक गौतम, चंद्र प्रकाश जिनका सहयोग न होता तो यह शोध कार्य करना आसान नहीं होता आपको हृदय से धन्यवाद, और मेरे क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान, भोपाल के सभी छात्र सहपाठियों जिनके सहयोग से यह शोध कार्य हो सका सभी का हृदय से आभार।

दिनांक - ----------

स्थान - ----------

सत्यापनकर्ता

कुमारी अंशुजा रमण

M.Ed चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक 200660203

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश

अनुक्रमणिका

क्रमांक	शीर्षक	पृष्ठ क्रमांक
1	अध्याय 1 - परिचय	1 & 11
2	अध्याय 2 - साहित्य पुरावलोकन	12 & 24
3	अध्याय 3 - शोध के निष्कर्ष	25 &61
4	अध्याय 4 - उपसंहार	62 & 74
5	संदर्भ सूची	75